Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to take necessary measures for welfare of Magra-Merwara region in Ajmer Parliamentary Constituency, Rajasthan -laid.

श्री भागीरथ चौधरी (अजमेर): राजस्थान का हृदयस्थल अरावली अजमेर के पास नरवर से कामलीघाट के पास दिवेर के बीच 125 किलोमीटर लम्बे व 20 किलो मीटर चौड़े छोटे-छोटे पहाडी क्षेत्र को मगरा नाम से जाना जाता हैं जो वर्तमान में दो लोक सभा क्षेत्र राजसमन्द व अजमेर मे फैला हुआ है इस परिक्षेत्र में मुख्य रूप से रावत-मेहरात जाति का बाहुल्य हैं। बाकी अन्य जातियां भी यहां निवासरत हैं। गत वर्षों में दमदार राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं होने के कारण इस मगरा क्षेत्र का उचित विकास नहीं हो पाया हैं। इस परिक्षेत्र की प्रमुख आवश्यकता एवं मांगे निम्नानुसार हैं

(1) वर्ष 1998 तक अजमेर स्थित सेना-भर्ती मुख्यालय को पुनः अजमेर लायें।

(2) कश्मीरी स्काउट की भर्ती की तर्ज पर अविभाजित मगरा वासियों के लिए विशेष भर्तियों की कम्पनियां खुलनी चाहिए।

(3) मगरा-विकास-बोर्ड को संवैधानिक दर्जा देकर केन्द्र सरकार के अधीन लाना चाहिए।

(4) मगरा क्षेत्र में सैनिकों-पूर्व सेनिकों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए नये-सैनिक-स्कूल खोले जाने चाहिए।

(5) पूर्व में एनटीसी (नेशनल-टेक्सटाइल-कॉर्पोरेशन-ऑफ-इण्डिया) की 3 कपड़ा मिलें चलती थी। उन्हें पुनः शुरू कराने के प्रयास करने चाहिए ताकि समुचित रोजगार की उपलब्धता हो सके।

अतः सरकार अविलम्ब अजमेर संसदीय क्षेत्र के मगरा-मेरवाड़ा क्षेत्र का समुचित-विकास कराने हेतु सक्षम विभागीय कार्यवाही कराकर राहत

प्रदान करायें।